

मास्टर निदेश /वि.वि.एफआईएन.एचएफसी.सीसी.सं.120/03.10.136/2020-21 दिनांक 17 फरवरी 2021 - : [गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - आवास वित्त कंपनी \(रिजर्व बैंक\) निदेश, 2021](#):

क्र.सं	संदर्भ पैरा	मौजूदा सार	आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक परिवर्तन मोड)
1	अध्याय IV पैरा 6.3.10 नोट	<p>वर्तमान एक्सपोजर पद्धति</p> <p>6.3.8 डेरिवेटिव लेनदेन के संबंध में प्रतिपक्ष के लिए कुल ऋण एक्सपोजर की गणना नीचे दी गई वर्तमान एक्सपोजर पद्धति के अनुसार की जाएगी।</p> <p>बाजार से संबंधित तुलन पत्र से इतर लेनदेन की ऋण समानार्थी राशि की गणना में वर्तमान एक्सपोजर पद्धति का उपयोग होता है जो</p> <p>क) वर्तमान क्रेडिट एक्सपोजर और</p> <p>ख) अनुबंध के संभावित भविष्य के क्रेडिट एक्सपोजर का योग है।</p> <p>6.3.9 वर्तमान क्रेडिट एक्सपोजर को एकल प्रतिपक्षकार (विविध अनुबंधों का उसी प्रतिपक्षकार के साथ सकारात्मक और नकारात्मक मार्क टू मार्केट मूल्य पर नेटिंग नहीं होनी चाहिए) के संबंध में सभी अनुबंधों के साथ सकल सकारात्मक मार्क टू मार्केट मूल्य के योग के रूप में परिभाषित किया गया है। वर्तमान एक्सपोजर पद्धति की अपेक्षा है कि वर्तमान में क्रेडिट एक्सपोजर की अवधि की गणना इन अनुबंधों के बाजार से मार्किंग द्वारा</p>	<p>वर्तमान एक्सपोजर पद्धति चूक जोखिम के लिए पूंजी प्रभार का आकलन करने हेतु प्रायोज्य)</p> <p>6.3.8 डेरिवेटिव लेनदेन के संबंध में प्रतिपक्ष के लिए कुल ऋण एक्सपोजर की गणना नीचे दी गई वर्तमान एक्सपोजर पद्धति के अनुसार की जाएगी।</p> <p>बाजार से संबंधित तुलन पत्र से इतर लेने देने की ऋण समानार्थी राशि की गणना में वर्तमान एक्सपोजर पद्धति का उपयोग होता है जो</p> <p>क) वर्तमान क्रेडिट एक्सपोजर और</p> <p>ख) अनुबंध के संभावित भविष्य के क्रेडिट एक्सपोजर का योग है।</p> <p>6.3.9 वर्तमान क्रेडिट एक्सपोजर को एकल प्रतिपक्षकार (विविध अनुबंधों का उसी प्रतिपक्षकार के साथ सकारात्मक और नकारात्मक मार्क टू मार्केट मूल्य पर नेटिंग नहीं होनी चाहिए) के संबंध में सभी अनुबंधों के साथ सकल सकारात्मक मार्क टू मार्केट मूल्य के योग के रूप में परिभाषित किया गया है। वर्तमान एक्सपोजर पद्धति की अपेक्षा है कि वर्तमान में क्रेडिट एक्सपोजर की अवधि की गणना इन अनुबंधों के बाजार से मार्किंग द्वारा निर्धारित की जानी है।</p>

क्र.सं	संदर्भ पैरा	मौजूदा सार	आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक परिवर्तन मोड)																																				
		<p>निर्धारित की जानी है। 6.3.10. संभावित भविष्य में क्रेडिट एक्सपोजर का निर्धारण प्रत्येक अनुबंध के कल्पित मूलधन राशि को उस अनुबंध का मूल्य लिखत के स्वरूप और शेष परिपक्वता अवधि के अनुसार नीचे दिए गए संबंधित एडवांस फैक्टर द्वारा गुणा करके किया जाता है चाहे उस अनुबंध का शून्य, धनात्मक या ऋणात्मक बाजार मूल्य क्यों ना हो।</p> <table border="1" data-bbox="436 683 1214 1141"> <thead> <tr> <th colspan="3">ब्याज दर से संबंधित विनिमय दर संबंधित और सोने से संबंध के डेरिवेटिव के लिए क्रेडिट रूपांतरण कारक</th> </tr> <tr> <th></th> <th colspan="2">क्रेडिट परिवर्तन घटक%</th> </tr> <tr> <th></th> <th>ब्याज दर के अनुबंध</th> <th>विनिमय दर के अनुबंध और स्वर्ण</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>एक वर्ष या कम</td> <td>0.50</td> <td>2.00</td> </tr> <tr> <td>1 वर्ष से अधिक 5 वर्ष तक</td> <td>1.00</td> <td>10.00</td> </tr> <tr> <td>5 वर्ष से अधिक</td> <td>3.00</td> <td>15.00</td> </tr> </tbody> </table> <p>टिप्पणी: ए) मूलधन के बहुविध लेनदेन के साथ अनुबंध के लिए, अनुबंध में भुगतान हेतु शेष संख्या से ऐडऑन घटकों को गुणा करना होता है।</p>	ब्याज दर से संबंधित विनिमय दर संबंधित और सोने से संबंध के डेरिवेटिव के लिए क्रेडिट रूपांतरण कारक				क्रेडिट परिवर्तन घटक%			ब्याज दर के अनुबंध	विनिमय दर के अनुबंध और स्वर्ण	एक वर्ष या कम	0.50	2.00	1 वर्ष से अधिक 5 वर्ष तक	1.00	10.00	5 वर्ष से अधिक	3.00	15.00	<p>6.3.10. संभावित भविष्य में क्रेडिट एक्सपोजर का निर्धारण प्रत्येक अनुबंध के कल्पित मूलधन राशि को उस अनुबंध का मूल्य लिखत के स्वरूप और शेष परिपक्वता अवधि के अनुसार नीचे दिए गए संबंधित एडवांस फैक्टर द्वारा गुणा करके किया जाता है चाहे उस अनुबंध का शून्य, धनात्मक या ऋणात्मक बाजार मूल्य क्यों ना हो।</p> <table border="1" data-bbox="1243 587 2027 1040"> <thead> <tr> <th colspan="3">ब्याज दर से संबंधित विनिमय दर संबंधित और सोने से संबंध के डेरिवेटिव के लिए क्रेडिट रूपांतरण कारक</th> </tr> <tr> <th></th> <th colspan="2">क्रेडिट रूपांतरण कारक %</th> </tr> <tr> <th></th> <th>ब्याज दर के अनुबंध</th> <th>विनिमय दर के अनुबंध और स्वर्ण</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>एक वर्ष या कम</td> <td>0.50</td> <td>2.00</td> </tr> <tr> <td>1 वर्ष से अधिक 5 वर्ष तक</td> <td>1.00</td> <td>10.00</td> </tr> <tr> <td>5 वर्ष से अधिक</td> <td>3.00</td> <td>15.00</td> </tr> </tbody> </table> <p>टिप्पणी: ए) मूलधन के बहुविध लेनदेन के साथ अनुबंध के लिए, अनुबंध में भुगतान हेतु शेष संख्या से ऐडऑन घटकों को गुणा करना होता है। बी) बकाया एक्सपोजर के निपटान के लिए संरचित अनुबंध हेतु निम्नलिखित विनिर्दिष्ट भुगतान तारीख तथा ऐसी शर्तें पुनः कायम</p>	ब्याज दर से संबंधित विनिमय दर संबंधित और सोने से संबंध के डेरिवेटिव के लिए क्रेडिट रूपांतरण कारक				क्रेडिट रूपांतरण कारक %			ब्याज दर के अनुबंध	विनिमय दर के अनुबंध और स्वर्ण	एक वर्ष या कम	0.50	2.00	1 वर्ष से अधिक 5 वर्ष तक	1.00	10.00	5 वर्ष से अधिक	3.00	15.00
ब्याज दर से संबंधित विनिमय दर संबंधित और सोने से संबंध के डेरिवेटिव के लिए क्रेडिट रूपांतरण कारक																																							
	क्रेडिट परिवर्तन घटक%																																						
	ब्याज दर के अनुबंध	विनिमय दर के अनुबंध और स्वर्ण																																					
एक वर्ष या कम	0.50	2.00																																					
1 वर्ष से अधिक 5 वर्ष तक	1.00	10.00																																					
5 वर्ष से अधिक	3.00	15.00																																					
ब्याज दर से संबंधित विनिमय दर संबंधित और सोने से संबंध के डेरिवेटिव के लिए क्रेडिट रूपांतरण कारक																																							
	क्रेडिट रूपांतरण कारक %																																						
	ब्याज दर के अनुबंध	विनिमय दर के अनुबंध और स्वर्ण																																					
एक वर्ष या कम	0.50	2.00																																					
1 वर्ष से अधिक 5 वर्ष तक	1.00	10.00																																					
5 वर्ष से अधिक	3.00	15.00																																					

क्र.सं	संदर्भ पैरा	मौजूदा सार	आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक परिवर्तन मोड)
		<p>बी) बकाया एक्सपोज़र के निपटान के लिए संरचित अनुबंध हेतु निम्नलिखित विनिर्दिष्ट भुगतान तारीख तथा ऐसी शर्तें पुनः कायम की जाए जहां अनुबंधों का बाजार मूल्य इन विनिर्दिष्ट तारीखों को शून्य हो जाए तथा अवशिष्ट परिपक्वता को आगामी पुनःकायम तारीख निर्धारित होने तक समान बनाया जाए। तथापि, ब्याज दरों के अनुबंधों के मामले में जहां अवशिष्ट परिपक्वता की अवधि 1 वर्ष से अधिक है और उक्त पात्रताओं को पूर्ण करती है वहां सीसीएफ या एड ऑन घटक 1.0% के स्तर के अधीन होंगे।</p> <p>सी) संभावित एक्सपोज़र की गणना एकल चल मुद्रा /चल ब्याज दर की अदला-बदली के लिए नहीं की जाएगी, इन अनुबंधों पर ऋण एक्सपोज़र का मूल्यांकन केवल उनके मार्क टू मार्केट मूल्य के आधार पर होगा।</p> <p>डी) संभावित भावी एक्सपोज़र 'स्पष्ट कल्पित राशियों' के बजाय 'प्रभावी' पर आधारित होंगे। यदि लेन-देन की संरचना ऐसी होती है कि 'कथित कल्पित राशि' का लाभ उठाया जाता है या बढ़ाया जाता है, तो संभावित भावी एक्सपोज़र निर्धारित करने के लिए 'प्रभावी कल्पित राशि' का उपयोग किया जाना चाहिए।</p> <p>उदाहरण के तौर पर, लागू एनबीएफसी की उधार दर के दो गुना</p>	<p>की जाए जहां अनुबंधों का बाजार मूल्य इन विनिर्दिष्ट तारीखों को शून्य हो जाए तथा आगामी पुनः कायम तारीख तक अवशिष्ट परिपक्वता को समय के बराबर बनाया जाए। तथापि, ब्याज दरों के अनुबंधों के मामले में जहां अवशिष्ट परिपक्वता की अवधि 1 वर्ष से अधिक है और उक्त पात्रताओं को पूर्ण करती है वहां सीसीएफ या एड ऑन घटक 1.0% के स्तर के अधीन होंगे।</p> <p>सी) संभावित क्रेडिट एक्सपोज़र की गणना एकल चल मुद्रा /चल ब्याज दर की अदला-बदली के लिए नहीं की जाएगी, इन अनुबंधों पर ऋण एक्सपोज़र का मूल्यांकन केवल उनके मार्क टू मार्केट मूल्य के आधार पर होगा।</p> <p>डी) संभावित भावी एक्सपोज़र 'स्पष्ट कल्पित राशियों' के बजाय 'प्रभावी' पर आधारित होंगे। यदि लेन-देन की संरचना ऐसी होती है कि 'कथित कल्पित राशि' का लाभ उठाया जाता है या बढ़ाया जाता है, तो संभावित भावी एक्सपोज़र निर्धारित करने के लिए 'प्रभावी कल्पित राशि' का उपयोग किया जाना चाहिए।</p> <p>उदाहरण के तौर पर, लागू एनबीएफसी की उधार दर के दो गुना की आंतरिक दर के आधार पर भुगतान के साथ 1 मिलियन अमेरिकी डालर की कथित कल्पित राशि में 2 मिलियन अमेरिकी डालर की प्रभावी कल्पित राशि होगी।</p>

क्र.सं	संदर्भ पैरा	मौजूदा सार	आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक परिवर्तन मोड)
		<p>की आंतरिक दर के आधार पर भुगतान के साथ 1 मिलियन अमेरिकी डालर की कथित कल्पित राशि में 2 मिलियन अमरीकी डालर की प्रभावी कल्पित राशि होगी।</p> <p>(5) क्रेडिट चूक स्वैप (सीडीएस) के लिए क्रेडिट परिवर्तन कारक</p> <p>:घटक</p> <p>6.3.11</p>	<p><u>6.3.10. ए. जब 6.3.10.सी में निर्दिष्ट प्रभावी द्विपक्षीय नेटिंग अनुबंध लागू होता है, तो आरसी नेट प्रतिस्थापन लागत होगी और ऐड-ऑन एनेट होगा जैसा कि नीचे गणना की गई है।</u></p> <p><u>(ए) द्विपक्षीय रूप से नेट वायदा लेनदेन पर क्रेडिट एक्सपोजर की गणना, यदि सकारात्मक है, निवल मार्क-टू-मार्केट प्रतिस्थापन लागत के योग के रूप में की जाएगी, साथ ही काल्पनिक अंतर्निहित मूलधन के आधार पर ऐड-ऑन भी। नेट किए गए लेनदेन (एनेट) के लिए ऐड-ऑन सकल ऐड-ऑन (एग्रॉस) के भारित औसत और सकल वर्तमान प्रतिस्थापन लागत (एनजीआर) के लिए निवल वर्तमान प्रतिस्थापन लागत के अनुपात से समायोजित सकल ऐड-ऑन के बराबर होगा। यह निम्नलिखित सूत्र द्वारा व्यक्त किया जाता है:</u></p> <p><u>$\text{एनेट} = 0.4 \cdot \text{एग्रॉस} + 0.6 \cdot \text{एनजीआर} \cdot \text{एग्रॉस}$</u></p> <p><u>जहां :</u></p> <p><u>एनजीआर = विधिक रूप से लागू करने योग्य निवल समझौतों के अधीन लेनदेन के लिए निवल प्रतिस्थापन लागत का स्तर / सकल प्रतिस्थापन लागत का स्तर 5^क</u></p>

क्र.सं	संदर्भ पैरा	मौजूदा सार	आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक परिवर्तन मोड)
			<p><u>एग्रॉस = एक प्रतिपक्षकार के साथ विधिक रूप से लागू करने योग्य निवल समझौतों के अधीन सभी लेनदेन के व्यक्तिगत ऐड-ऑन राशियों का योग (पैरा 6.3.10 और पैरा 6.3.11 में सारणी में निर्धारित उपयुक्त ऐड-ऑन कारकों द्वारा काल्पनिक मूल राशि को गुणा करके परिकलित)</u></p> <p><u>(बी) वायदा विदेशी मुद्रा अनुबंधों और अन्य समान अनुबंधों के लिए निवल प्रतिपक्षकार के संभावित भविष्य के जोखिम की गणना के प्रयोजनों के लिए, जिसमें काल्पनिक मूल राशि नकदी प्रवाह के बराबर है, काल्पनिक मूलधन को प्रत्येक मूल्य पर देय निवल प्राप्तियों के रूप में परिभाषित किया गया है। इसका कारण यह है कि एक ही तारीख को परिपक्व होने वाली एक ही मुद्रा में ऑफसेटिंग अनुबंधों में संभावित भविष्य के जोखिम के साथ-साथ कम मौजूदा जोखिम भी बना रहेगा।</u></p> <p><u>टिप्पणी 5ए: एनबीएफसी-एचएफसी को विधिक रूप से लागू करने योग्य निवल समझौतों के अधीन सभी लेनदेन के लिए प्रतिपक्षकार द्वारा प्रतिपक्षकार आधार पर एनजीआर की गणना करनी चाहिए।</u></p>

क्र.सं	संदर्भ पैरा	मौजूदा सार	आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक परिवर्तन मोड)
			<p><u>6.3.10.बी परिभाषाएं और सामान्य शब्दावली</u></p> <p><u>(ए) वर्तमान एकसपोजर शून्य से बड़ा है, या एक प्रतिपक्षकार के साथ एक नेटिंग सेट के भीतर लेनदेन या लेनदेन के पोर्टफोलियो का बाजार मूल्य है जो प्रतिपक्षकार के चूक पर समाप्त हो जाएगा. यह मानते हुए कि दिवालियेपन के कारण उन लेनदेन के मूल्य पर कोई वसूली नहीं हुई है। मौजूदा एकसपोजर को अक्सर रिप्लेसमेंट कॉस्ट (आरसी) भी कहा जाता है।</u></p> <p><u>(बी) नेटिंग सेट एकल प्रतिपक्षकार के साथ लेनदेन का एक समूह है जो विधिक रूप से लागू करने योग्य द्विपक्षीय नेटिंग व्यवस्था के अधीन है और जिसके लिए नेटिंग को विनियामक पूंजी उद्देश्यों के लिए मान्यता प्राप्त है। प्रत्येक लेनदेन जो कानूनी रूप से लागू करने योग्य द्विपक्षीय नेटिंग व्यवस्था के अधीन नहीं है जिसे विनियामक पूंजी उद्देश्यों के लिए मान्यता प्राप्त है, इन नियमों के उद्देश्य के लिए अपने स्वयं के नेटिंग सेट के रूप में व्याख्या की जानी चाहिए।</u></p> <p><u>6.3.10 सी द्विपक्षीय नेटिंग अनुबंध की मान्यता के लिए आवश्यकता:</u></p> <p><u>(ए) एनबीएफसी-एचएफसी नवीकरण के अधीन निवल लेनदेन कर सकते हैं, जिसके तहत एनबीएफसी-एचएफसी और उसके प्रतिपक्षकार</u></p>

क्र.सं	संदर्भ पैरा	मौजूदा सार	आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रेड परिवर्तन मोड)
			<p>के बीच किसी दिए गए मूल्य दिनांक पर किसी मुद्रा को डिलीवर करने का कोई दायित्व स्वचालित रूप से उसी मुद्रा और मूल्य तिथि के लिए अन्य सभी दायित्वों के साथ विधिक रूप से समामेलित हो जाता है, जो पिछले सकल दायित्वों के लिए एकल राशि का प्रतिस्थापन करता है।</p> <p>(बी) एनबीएफसी-एचएफसी किसी भी विधिक रूप से वैध द्विपक्षीय निवल के अधीन लेनदेन कर सकते हैं जो (ए) में शामिल नहीं है, जिसमें अन्य प्रकार के नवीकरण भी शामिल हैं।</p> <p>(सी) दोनों मामलों में (ए) और (बी), एक एनबीएफसी-एचएफसी को संतुष्ट करने की आवश्यकता होगी कि उसके पास निम्नलिखित है:</p> <p>(i) प्रतिपक्षकार के साथ निवल अनुबंध या समझौता जो एक एकल विधिक दायित्व बनाता है, जिसमें सभी शामिल लेनदेन शामिल हैं, जैसे कि एनबीएफसी-एचएफसी के पास व्यक्तिगत लेनदेन के सकारात्मक और नकारात्मक मार्क टू मार्केट की केवल नेट राशि का भुगतान करने का दावा या दायित्व होगा। बशर्ते निम्नलिखित में से किसी के कारण प्रतिपक्षकार के कार्य निष्पादन करने में विफल रहा हो जैसे: चूक, दिवालियापन, परिसमापन या इसी तरह की परिस्थितियां;</p> <p>(ii) लिखित और तर्कपूर्ण विधिक राय कि, विधिक चुनौती की स्थिति में, संबंधित अदालतों और प्रशासनिक अधिकारी एनबीएफसी-एचएफसी का एक्सपोजर इस तरह की निम्नलिखित स्थिति में नेट</p>

क्र.सं	संदर्भ पैरा	मौजूदा सार	आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक परिवर्तन मोड)
			<p><u>समझेंगे:</u></p> <ul style="list-style-type: none"> • <u>न्याय अधिकार क्षेत्र का कानून जिसमें प्रतिपक्षकार अधिकृत है और, यदि प्रतिपक्षकार की विदेशी शाखा शामिल है, तो उस अधिकार क्षेत्र के कानून के तहत भी जिसमें शाखा स्थित है:</u> • <u>व्यक्तिगत लेनदेन को नियंत्रित करने वाला कानून; और</u> • <u>नेटिंग को प्रभावित करने के लिए आवश्यक किसी भी अनुबंध या समझौते को नियंत्रित करने वाला कानून।</u> <p><u>(iii) प्रासंगिक विधि में संभावित परिवर्तनों के आलोक में नेटिंग व्यवस्था की कानूनी विशेषताओं की समीक्षा को सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रियाएं।</u></p> <p><u>(घ) विनिर्गम (वॉकअवे) खंड वाले अनुबंध इन दिशानिर्देशों के तहत पूंजी आवश्यकताओं की गणना के उद्देश्य से निवल किए जाने के लिए पात्र नहीं होंगे। वॉकअवे शर्त एक ऐसा प्रावधान है जो एक गैर-चूककर्ता प्रतिपक्षकार को चूक की आस्ति को केवल सीमित भुगतान या कोई भुगतान नहीं करने की अनुमति देता है, भले ही चूककर्ता एक निवल ऋणदाता हो।</u></p> <p>ऋण चूक स्वैप (सीडीएस) के लिए क्रेडिट रूपांतरण कारक: 6.3.11</p>